बाबा थारी नगरी | By Suhani Agarwal (Kanoi)

म्हारो हिवड़ो घणो हर्षावे सा
म्हाने रात यो सपना आवे सा
म्हारी आंखड़ल्या में बाबा थारी सुरतिया बसी
मनडॉ यो थां बिन बाबा ना लगे घडी
थे म्हाने भी तो बुलाओ बाबा थारी नगरी

याद सातवे थारी बाबा बहुत घणी म्हाने
पंख लगा कर मैं उड़ आऊं जिवडो ना माने
म्हारे पगां घुँघरा बाँध के नाचूं खड़ी रे खड़ी
थे म्हाने भी तो बुलाओ बाबा थारी नगरी

रात सुहानी ग्यारस की खाटू में अमृत बरसे
थां सु मिलबा ने म्हारा बाबा मनडो म्हारो तरसे
म्हारे सिर पर भी घुमा दो बाबा मोरछड़ी
थे म्हाने भी तो बुलाओ बाबा थारी नगरी

कृपा ऐसी करियो बाबा साथ तेरो ना छूटे
झूठी दुनियादारी बाबा आज भले ही टूटे
अर्ज़ी या सुरेंदर की बाबा थे चरण में पड़ी
थे म्हाने भी तो बुलाओ बाबा थारी नगरी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%93-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%a5%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%97%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-suhani-agarwal-kanoi/